ज्ञान की अन्तर्शास्त्रीय दशाओं का विकास

Eternal Science – इटर्नल साइंस – सर्वकालिक विज्ञान

Liberal humanitarian project
उदारवादी मानवीय परियोजना

Integration – एकीकरण
Anthropology – एन्थ्रोपोलोजी – मानवशास्त्र

(2) Issues of gender identity roles and performativity for the development positive notions of body self. परफोर्माटिविटि (क्रियात्मक)
शरीर की स्वयं की विकास सकारात्मक धारणाओं के लिए लिंग पहचान की भूमिकाएं और कार्यक्षमता

(3) Gender roles in popular culture and Implications of School इम्प्लीकेशन (निहितार्थ)
स्कूल में लोकप्रिय संस्कृति और निहितार्थ में लैंगिक भूमिकाएं

(4) Work related Subject like horticulture or hospitality
बागवानी या आतिथ्य जैसे काम से संबंधित विषय।

Scanned with CamScanner

Characteristics of Interdisciplinary Approach

अन्तः विषयक दृष्टिकोण की विशेषताएँ

1. अन्तः विषय उपागम छात्रों में जिज्ञासु प्रवृत्ति उत्पन्न करती है।
2. छात्रों को चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है।
3. छात्रों को बौद्धिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर आत्मविश्वास का विकास करती है।
4. छात्रों को व्यक्तिगत एवं सहयोगात्मक रूप से कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करती है।
5. छात्रों को अधिगम, जीवन और काम के लिए कौशल के विकास में सहायता प्रदान करती है।
6. छात्रों को विषय क्षेत्रों और विषयों का अलग दृष्टिकोण से समझने में सक्षम बनाता है।
7. एक साथ विभिन्न विषयों और अन्तः विषयक को समझने में सक्षम बनाता है।
8. छात्रों में तुलनात्मक अध्ययन को बढ़ावा प्रदान करता है।

Need and Importance of Interdisciplinary Approach

अन्तः विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता एवं महत्व

अन्तः विषय ज्ञान की आवश्यकता ज्ञान के विस्तार के कारण बढ़ गयी है। वर्तमान शैक्षणिक विषयों या व्यवसायों

① Paradigm (पैराडम)

② Need and importance of Interdisciplinary Approach

अन्त: विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता एवं महत्व

② Difference between Disciplinary and Interdisciplinary Study field

अध्ययन विषय एवं अन्त: विषयक अध्ययन विषय में अन्तर

स्वयं के सकारात्मक विचारों का विकास

Development of positive notion of body Self

① सामाजिक व्यवस्था का प्रभाव
Effect of Social System

② सकारात्मक सोच का अभाव
Lack of positive thinking

③ नारी की सहनशीलता
Tolerance of Women

④ नारी का कोमल व्यवहार
Soft behaviour of Women

⑤ पुरुष की आक्रामक प्रवृत्ति
Aggressive nature of man.

Scanned with CamScanner

11 What is knowing? Can doing, thinking and feeling be discerned separately in knowing

12

जानना क्या है? कर सकते है सोच और एहसास के

1 जानने मे अलग-2 विचार करना चाहिए।

डिफरेन्सिएशन - भेदभाव

2 Differentiation between information, ~~Knowing~~ Knowledge, skill, belief and truth.

3

ज्ञान, सूचना, कौशल, धारणा/विश्वास, सत्य - मे अन्तर

प्रत्यय - प्रमाण, विश्वासमय ~~ध~~ धारणा (आइडिया)

18 Sunday

Source of knowledge

ज्ञान के स्रोत

① प्रकृति, किताबे, रेडियो/टेलीविजन, नवीन खोज/आविष्कार, समाचार-पत्र/पत्रिकाएँ, मेले/प्रदर्शनियाँ नाटक,

इन्द्रिय अनुभव, साक्ष्य → Testimony

Sense experience

तार्किक चिन्तन - Logical Thinking

Scanned with CamScanner

मूर्त ज्ञान की विशेषताएँ — Characteristics of Concrete Knowledge

(1) मूर्त ज्ञान हमारी इन्द्रियों के माध्यम से अस्तित्व में आता है तथा हमारे अनुभवों के माध्यम से परिलक्षित होकर ज्ञान रूप धारण करता है। जो वस्तुओं हमें प्रत्यक्ष दिखाई देती हैं उनसे सम्बन्धित मूर्त ज्ञान की श्रेणी में आता है।

(2) मूर्त ज्ञान को समझना और इसकी व्याख्या करना सरल होता है क्योंकि यह हमारे समक्ष उपस्थित वस्तुओं और घटनाओं पर आधारित होता है। छोटी कक्षाओं में मूर्त ज्ञान दिया जाता है ताकि उसे आसानी से समझा जा सके।

(3) मूर्त ज्ञान अवलोकन तथा सामान्यीकरण की प्रक्रिया पर आधारित होता है। यह ज्ञान हमारे दैनिक जीवन से सम्बन्धित वस्तुओं तथा घटनाओं

(4) मूर्त ज्ञान द्वारा स्मृति तथा बोध जैसे उद्देश्यों को प्राप्त कर प्रयोग किया जा सकता है। हवा के चलने के कारणों को समझने हेतु प्रक्रिया के पीछे होने वाली अमूर्त क्रिया को समझना अधिक कठिन होता है, लेकिन मूर्त ज्ञान सरल होता है।

25 Sunday

अमूर्त ज्ञान (Abstract knowledge)

अमूर्त ज्ञान से आशय ऐसी वस्तु या प्रत्यय के ज्ञान से है जो किसी स्थान या समय विशेष में उपस्थित न हो बल्कि इन विचार के रूप में हो। इस प्रकार के ज्ञान को केवल शब्दों के माध्यम से ही व्यक्त किया जा सकता है। जैसे — नैतिकता दया, ईमानदारी आदि। इस ज्ञान हेतु उच्च स्तर की

Scanned with CamScanner

बौद्धिकता की आवश्यकता होती है।

अमूर्त ज्ञान की विशेषताएँ characteristics of abstract knowledge

① अमूर्त ज्ञान अप्रत्यक्ष तथ्यों तथा सूचनाओं से सम्बन्धित होता है। यह ज्ञान अमूर्त चिन्तन के आधार पर विकसित होता है। यह चिन्तन उन वस्तुओं के विषय में किया जाता है। जो हमारी इन्द्रियों की सीमाओं से परे होते हैं।

② उच्च मानसिक क्षमता से ही अमूर्त ज्ञान विकसित होता है। इस चिन्तन की प्रक्रिया उच्च स्तर से ही सम्भव हो जाती है। इसे हमारे मस्तिष्क की मानसिक क्षमता से ही मापा किया जा सकता है।

③ अमूर्त ज्ञान जटिल होता है और यह सरलता से समझ में नहीं आता है, जैसे- सत्य नैतिकता आदि को प्रत्यक्ष रूप से नहीं समझा जा सकता है।

④ मूर्त ज्ञान उच्च मानसिक अवस्था में ही सम्भव हो पाता है। इसलिए छोटी कक्षाओं में मूर्त ज्ञान दिया जाता है जबकि अमूर्त ज्ञान उच्च कक्षाओं में दिया जाता है।

Scanned with CamScanner